an>

Title: Need to inquire into the matter of alleged irregularities in MGNREGA in Yavatmal Washim Parliamentary Constituency of Maharashtra.

श्रीमती भावना पुंडलिकराव गवली **(**यवतमाल-वाशिम**) :** ठीक है मैडम।

माननीय अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे शून्यकाल में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देती हूँ। मैं किसानों और मजदूरों के गंभीर विषय पर बोलना चाह रही हूँ। मनरेगा के माध्यम से हमारे देश में मजदूरों को रोजगार मिला है, किसानों को भी फायदा हुआ है। लेकिन इस योजना में बहुत सारी खामियाँ हैं। मैंने देखा है, महाराष्ट्र में मेरे संसदीय क्षेत्र में कुछ किसानों को कुएं का काम उस योजना के तहत दिया गया था। ग्राम पंचायत के माध्यम से उसकी मंजूरी मिली थी। लेकिन कुएं का काम वर्ष 2009-2010 में मंजूर किये गये थे और आज तक उसमें काम करने वाले लोगों को उनका भुगतान नहीं हुआ है। आठ दिन पहले हमारे पंथ प्रधान जी ने कहा था कि मनरेगा योजना कुएं और गड्ढों में डालने जैसी योजना है, जिसे यूपीए सरकार ने शुरू की थी। मैं चाहती हूं कि जो लोग गड्ढे में पड़े हुए हैं उन्हें निकालने के लिए इसमें बहुत सारे सुधार करने की आवश्यकता है। सुबह मंत्री जी ने भी अपने जवाब में बोला था कि इसके लिए हम एक नयी गाइडलाइन लेकर आएंगे और सांसदों को भी इसमें अधिकार देंगे, इसके लिए मैं उन्हें धन्यवाद देना चाहती हूँ। जिन अधिकारियों ने इसमें काम नहीं किया है, आज भी मजदूरों को तीन-चार वर्षों तक लोगों को पैसा नहीं मिल रहा है उस वजह से काम वैसे के वैसे पड़े हुए हैं। आपके माध्यम से मैं सरकार से मांग करती हूं कि ऐसे अधिकारी, जिन्होंने काम नहीं किया है, उन पर कार्रवाई किया जाए, इसके लिए राज्य सरकार को भी कहा जाए ताकि उसमें ठीक तरीके से काम हो सके।